Government of India
Ministry of Earth Sciences
India Meteorological Department
Meteorological Centre Jaipur

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर

# संयुक्त कृषि – मौसम सलाहकार सेवा बुलेटिन
# राजस्थान राज्य

(बुलेटिन में उल्लिखित सलाह राजस्थान में विभिन्न AMFU और DAMU द्वारा तैयार की गई हैं)

बुलेटिन संख्या: **21/2026** जारी दिनांक **13.03.2026**

**राज्य के नौ कृषि-जलवायु क्षेत्र**

| क्र.सं | कृषि-जलवायुक्षेत्र | ज़िले | एग्रोमेट फील्ड यूनिट (AMFU) स्थान |
|---|---|---|---|
| 1 | ***Arid Western Plain*** | *Barmer and part of Jodhpur* | *Jodhpur (CAZRI)* |
| 2 | ***Irrigated North Western Plain*** | *Sriganganagar, Hanumangarh* | *Sriganganagar* |
| 3 | ***Hyper arid Partial irrigated zone*** | *Bikaner, Jaisalmer, Parts of Churu* | *Bikaner* |
| 4 | ***Internal Drainage Dry*** | *Nagaur, Sikar, Jhunjhunu, Part of Churu* | *Fatehpur (Sikar)* |
| 5 | ***Transitional Plain of Luni basin*** | *Jalore, Pali, part of Sirohi, Jodhpur* | *Jodhpur (CAZRI)* |
| 6 | ***Semi Arid Eastern Plains*** | *Jaipur, Ajmer, Dausa, Tonk* | *Jaipur(DURGAPURA)* |
| 7 | ***Flood Prone Eastern Plain*** | *Alwar, Dholpur, Bharatpur, Karauli, SawaiMadhopur* | *Bharatpur (SEWAR)* |
| 8 | ***Sub-Humid Southern Plains*** | *Bhilwara, Sirohi, Udaipur, Chittorgarh* | *Udaipur (RCA)* |
| 9 | ***Humid Southern Plains*** | *Dungarpur, Udaipur, Banswara, Chittorgarh, Pratapgarh* | *Banswara* |
| 10 | ***Humid South Eastern Plain*** | *Kota , Jhalawar, Bundi, Baran* | *Kota* |

## 1. मौसम संबंधी चेतावनियाँ (मौसम-उपविभाग स्तर)

- **13 मार्च:** कोई चेतावनी नहीं।
- **14 मार्च:** राज्य में कुछ जगहों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- **15 मार्च:** राज्य में कुछ जगहों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की संभावना है।
- **16 मार्च:** कोई चेतावनी नहीं।
- **17 मार्च:** कोई चेतावनी नहीं।

## 2. मौसम-उपविभाग स्तर पर विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (13 – 26 मार्च 2026)

| मौसम उप-विभाग | वर्षा | | अधिकतम तापमान | | न्यूनतम तापमान | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सप्ताह 1 (13 – 19 मार्च) | सप्ताह 2 (20 -26 मार्च) | सप्ताह 1 (13 – 19 मार्च) | सप्ताह 2 (20 -26 मार्च) | सप्ताह 1 (13 – 19 मार्च) | सप्ताह 2 (20 -26 मार्च) |
| पूर्वी राजस्थान | NEARLY NORMAL(ISOL) | Above Normal | Above normal by 2-4°C | Nearly normal | Above normal by 2-3°C | Nearly normal |
| पश्चिमी राजस्थान | NEARLY NORMAL(ISOL) | Above Normal | Above normal by 2-4°C | Nearly normal | Above normal by 2-3°C | Nearly normal |

## 3. राज्य में पिछले चार दिनों की वर्षा का सारांश (09 मार्च 2026- 12 मार्च 2026):

| मौसम उप-विभाग | 09-03-2026 | 10-03-2026 | 11-03-2026 | 12-03-2026 |
|---|---|---|---|---|
| पूर्वी राजस्थान | DRY | DRY | DRY | DRY |
| पश्चिमी राजस्थान | DRY | DRY | DRY | DRY |

## 4. अगले 5 दिनों के लिए वर्षा का पूर्वानुमान:

| मौसम उप-विभाग | 13-03-2026 | 14-03-2026 | 15-03-2026 | 16-03-2026 | 17-03-2026 |
|---|---|---|---|---|---|
| पूर्वी राजस्थान | DRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY |
| पश्चिमी राजस्थान | DRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **ISOL:** | पृथक अर्थात 1 या 2 स्थानों पर वर्षा | **SCT:** | बिखरी हुई अर्थात कुछ स्थानों पर वर्षा |
| **FWS:** | काफी व्यापक अर्थात कई स्थानों पर वर्षा | | |
| **WS:** | व्यापक अर्थात अधिकांश स्थानों पर वर्षा | **DRY:** | कोई वर्षा नहीं |

## 5. राजस्थान की विभिन्न कृषि मौसम क्षेत्रीय इकाइयों (एएमएफयू) द्वारा जारी कृषि मौसम परामर्श

### i. AMFU जोधपुर

**ज़िला:जोधपुर**

**सामान्य सलाहकार:**

आने वाले दिनों में तापमान में वृद्धि होने के साथ मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं। फसलों, सब्जियों व फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूं की फसल दाने के पकने की अवस्था में हैं इस क्रांतिक अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें। |
| सरसों | किसान भाई सरसों की फसल को कटाई के बाद कुछ दिन धुप में सुखाने के बाद गहाई करें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| जीरा | किसानों को सलाह दी जाती है कि जीरे की फसल पकाव अवस्था पर हैं अतः फसल की उचित कायिक अवस्था पर कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| | किसानों को सलाह दी जाती है कि ईसबगोल की फसल पकाव अवस्था पर है पकी फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| मेंथी | इस समय मेथी परिपक्व अवस्था में है। अतः फसल की कटाई पूर्ण कर सुरक्षित स्थान पर रखें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | बदलते मौसम और दिन के तापमान में वृद्धि के कारण पशुओं को छाया में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें। |

**ज़िला:बाड़मेर**

**सामान्य सलाहकार:**

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं। किसान भाई फसलों, सब्जियों व फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूं की फसल दाने के पकने की अवस्था में हैं इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई अवश्य करें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| जीरा | किसानों को सलाह दी जाती है कि जीरे की फसल पकाव अवस्था पर हैं अतः फसल की उचित कायिक अवस्था पर कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| | किसानों को सलाह दी जाती है कि ईसबगोल की फसल पकाव अवस्था पर है पकी फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| मेंथी | इस समय मेथी परिपक्व अवस्था में है। अतः फसल की कटाई पूर्ण कर सुरक्षित स्थान पर रखें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | बदलते मौसम और दिन के तापमान में वृद्धि के कारण पशुओं को छाया में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें। |

ज़िला:जालोर

**सामान्य सलाहकार:**

आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना हैं जिससे गेहूँ की फसल की जल माँग बढ़ सकती हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि गेहूं की फसल में बुवाई के 95 से 100 दिन बाद दाने की दुधियाँ अवस्था पर सिंचाई देवें।

### फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
| --- | --- |
| चना | किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि अगेती चना की फसल अभी पकाव की ओर अग्रसर अतः उचित पकाव अवस्था पर कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। |
| सरसों | किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि समय पर बोई गई सरसों की फसल अभी पकाव पर है अतः उचित पकाव अवस्था पर या फलियाँ पीले से भूरी होने लग जाये तब कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे। |

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
| --- | --- |
| अनार | अनार में फलों की तुड़ाई के बाद गहरी कांट छाँट अवश्य करें तथा कांट छाँट के बाद कॉपर ओक्सीक्लोराइड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। |
| लौकी | लौकी की बुवाई के लिये मौसम की परिस्थितियां उपयुक्त हैं अतः जल्द पूरी करें तथा बुवाई हेतु उन्नत किस्मों (जैसे पूसा नवीन, यु. एस. एम. श्रवण) का 4 से 5 किलोग्राम बीज काम में लेवें। |

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
| --- | --- |
| बकरा | पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार भेड़-बकरिओ में माता या कन्टेजियस एक्थाईमा (ओ.आर.अफ.) से बचाव हेतु टीकाकरण अवश्य करवा लें। |

### मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
| --- | --- |
| मुर्गी | पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार जूँ जैसे परजीवियों की रोकथाम हेतू मैलाथियांन तथा राख के (1:1 अनुपात) मिश्रण को मुर्गियों के पंखों पर रगड़े । |

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तापमान बढ़ने एवं वातावरण में शुष्कता बढ़ने से मवेशियों में पानी की कमी हो सकती है।

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलो एवं पशुओ के लिये जल आपूर्ति का पूरा ध्यान रखे।

## ज़िला:पाली

### सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं। फसलों, सब्जियों व फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूं की फसल दाने के पकने की अवस्था में हैं इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई अवश्य करें। |
| चना | किसानों को सलाह दी जाती है कि समय पर बोयी गयी चने की फसल पकाव अवस्था पर हैं अतः फसल की उचित कायिक अवस्था पर कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| जीरा | किसानों को सलाह दी जाती है कि जीरे की फसल पकाव अवस्था पर हैं अतः फसल की उचित कायिक अवस्था पर कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| मेंथी | इस समय मेथी परिपक्व अवस्था में है। अतः फसल की कटाई पूर्ण कर सुरक्षित स्थान पर रखें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | बदलते मौसम और दिन के तापमान में वृद्धि के कारण पशुओं को छाया में रखना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें। |

ज़िला:चूरू

**सामान्य सलाहकार:**

15-16 मार्च को वर्षा की सम्भावना को देखतें हुएं कटाई की हुइ सरसों, चने की फसल को ढेर बनाकर तिरपाल से ढक कर रखें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूं की फसल दाने के पकने की अवस्था में हैं इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई अवश्य करें। |
| चना | किसानों को सलाह दी जाती है कि ईसबगोल की फसल पकाव अवस्था पर है पकी फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| मेंथी | इस समय मेथी परिपक्व अवस्था में है। अतः फसल की कटाई पूर्ण कर सुरक्षित स्थान पर रखें। |

## ii. AMFU श्रीगंगानगर

| ज़िला:श्रीगंगानगर/ हनुमानगढ़ |
|---|
| AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई । |

## iii. AMFU बीकानेर

ज़िला:बीकानेर

| | | | |
|---|---|---|---|
| विशेष सलाह | अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की जल मांग बढ़ सकती है। अतः म्लानि के लक्षण दिखाई देते ही या फसलों की क्रांतिक अवस्था के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था करे।<br>ककड़ी,काचरी,ग्वार,लोबिया,मूंग की जायद की खेती के लिए भूमि तैयार कर खाद व बीज की व्यवस्था करें। | | |
| **फसल** | **अवस्था** | **विवरण** | **कृषि सलाह** |
| गेहूँ | दाना बनने एवं विकास | सिंचाई | समय पर बोई गई गेंहू की फसल में छठी सिंचाई दाना पकते समय (बुवाई के 105-110 दिन बाद) करें। |
| | | टर्मिनल हीट प्रबंधन | तापमान में अचानक वृद्धि की स्थिति में गर्मी से होने वाले नुकसान से बचने के लिए, फसलों की सिंचाई करें या 2 प्रतिशत यूरिया या 2 प्रतिशत पोटेशियम नाइट्रेट या 0.2 प्रतिशत पोटेशियम क्लोराइड का छिड़काव करें। |
| सरसों | दाना विकास एवं पकाव | कटाई | सरसों में फलियों को झड़ने से बचाने के लिए फसल की कटाई शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करें। |
| मैथी | दाना विकास एवं पकाव | सिंचाई | देरी से बोई गई मैथी की फसल में सिंचाई करें। |
| | | कटाई | समय से बोई गई मेथी की फसल में फलियों को बिखरने से बचाने के लिए फसल की समय से कटाई करें। |
| उद्यानिकी | | सिंचाई | बागवानी फसलों की समय पर और बार-बार सिंचाई करें। |
| पशुधन | | स्वास्थ्य प्रबंधन | दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के उपाय करे। पशुओ को खुरपका-मुहपका रोग से बचाव का टीका लगवाएँ एवं पेट मे कीड़ो की दवाई नियमित देवें ।<br>पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध कराएं। |

| ज़िला:जैसलमेर |
|---|
| AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई । |

## iv. AMFU फतेहपुर

### ज़िला:सीकर / झुंझुनु / नागौर

**सामान्य सलाहकार:**

• आने वाले दिनों में जिले के कुछ अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाएं आदि चलने की संभावना है। • आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में गिरावट की संभावना है, बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। • फसलों में मुरझाने के लक्षण दिखने पर और महत्वपूर्ण विकास चरणों के आधार पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | समय पर बोई गई गेहूं की फसल में, इस अवस्था में (105-110 दिन की अवधि में) छठी सिंचाई प्रदान करें। |
| सरसों | सरसों की कटाई तब करें जब 75% सिलिका पीली हो जाएं और बीज में नमी की मात्रा बीज के वज़न का लगभग 35% हो। इस स्टेज पर तेल की मात्रा सबसे ज़्यादा होती है। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| मेंथी | समय पर बोई गई मेथी की फसल में, फलियों के बिखरने से बचने के लिए फसल की कटाई समय पर करें चाहिए। |
| लौकी | लौकी की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है, इसलिए बुवाई पूरी कर लें उन्नत किस्मों (पूसा नवीन और यू.एस.एम. शरवान) के 4 से 5 किलोग्राम बीज का प्रयोग करें 1 हेक्टेयर के लिए । |
| भिण्डी | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भिंडी की शीघ्र फसल की बुवाई के लिए खेत तैयार करें उन्नत किस्मों का चयन करे जैसे अर्का अनामिका, प्रबानी क्रांति आदि । |
| खरबूजा | खरबूजे की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों का चयन करे जैसे पूसा शरबती, आर.एम-50, आर.एम-43 उपयुक्त हैं और बीजों को 3 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से कार्बेन्डाजिम से उपचारित करें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | गायों और बकरियों को लू से बचाने के लिए ठंडी जगह पर रखें और उन्हें दिन में 3-4 बार पानी पिलाएं। |

## v. AMFU जयपुर

**ज़िला:जयपुर/ अजमेर/ दौसा/टोंक**

| | | |
|---|---|---|
| आम सलाह | फसल पर कीटनाशक रसायनों का छिड़काव करते समय मधुमक्खियों को बक्सों के अंदर रखें।<br>कीटनाशक के छिड़काव के 5-6 घंटे बाद मधुमक्खियों को खेतों में जाने दें।<br>फसल पर घातक कीटनाशक का छिड़काव करने से बचें। | |
| मुख्य फसल | स्थिति /अवस्था | सलाह |
| सरसों चना और जौं आदि के दानों का भंडारण। | अनाज भंडारण की तैयारी | सरसों, चना, गेंहू और जौं पकने की अवस्था में हैं। कृषि फसलों के उत्पादन में अनाज का भंडारण विशेष महत्व रखता है। खाद्यान्नों के सुरक्षित भंडारण के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है:<br>1. अनाज को पूरी तरह सुखाकर साफ करके बोरी, ड्रम या कोठियों में रखें। यथासंभव नई बोरियों का प्रयोग करें। पुरानी बोरियों को उपयोग से पहले तेज धूप में सुखा लें।<br>2. भंडारण कक्ष को साफ करें और यदि दीवारें या फर्श टूटे हुए हों तो उनकी मरम्मत करें। सीमेंट या गोबर से छिद्रों को बंद करें।<br>3. 0.5% मैलाथियन के घोल से भंडारगृह को कीटाणुरहित करें। |
| गेहूँ | | गेहूँ की सामान्य समय पर बोई गई गेंहू की फसल में चौथी सिंचाई )बालिया आने की अवस्थादेने का भी (गांठ बनते समय) तथा देरी से बोई गई फसल में तीसरी सिंचाई ( यह उपयुक्त समय है । |
| चना और मटर | फली का निर्माण | चना और मटर की फसल पर चना छेदक कीट का हमला होने की संभावना है। इस कीट को नियंत्रित करने के लिए मैलाथियन मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में 1.25 ईसी को 50 मिलाकर छिड़काव करें। |
| ग्रीष्मकालीन ओकरा | | ग्रीष्मकालीन भिण्डी की बुवाई का उचित समय है । पूसा सावनी, पूसा मखमली ,परभनी, क्रान्ति, अर्का अभय व अर्क अनामिका भिण्डी की उन्नत किस्में हैं । भिण्डी की बुवाई हेतु बीज दर ग्राम थाइरम 3 किलाग्राम प्रति हैक्टेयर रखें एवं बुवाई से पूर्व बीजों का 20 का प्रति किलोबीज की दर से बीजोपचार करें । |
| लहसुन एवं प्याज | | तापमान में वृद्धि के कारण लहसुन और प्याज की फसल थ्रिप्स कीट से प्रभावित होने की संभावना है। यह कीट पत्तियों का रस चूसता है और पत्तियों पर सफेद धब्बे पैदा करता है। इस कीट को नियंत्रित करने के लिए किसानों को मैलाथियन 1.0 ईसी को 50 दर से छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की |
| सौंफ, मेथी , मटर ,जीरा और धनिया | | तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सौंफ, मेथी ,मटर ,जीरा और धनिया की फसल पर फफूंदी लगने की संभावना है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद पाउडर दिखाई देता है। डिनोकैप 48 ईसी का1. 0मिली लीटर और सल्फर पाउडर का 25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। |
| आम अमरूद और अनार | | आम अमरूद और अनार पर मिली बग कीट का हमला हो सकता है। ये कीट अपने हॉपर के ज़रिए इन पेड़ों की कोमल पत्तियों का रस चूसते हैं। मैलाथियन 1.0 ईसी को 50 मिलाकर स्प्रे करें। मिली प्रति लीटर पानी में |
| वर्मी कम्पोस्ट | | 1. वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिए छायादार एवं हवादार स्थान का चयन करें।<br>2. सड़ा हुआगोबरएवं फसल अवशेषों का ही उपयोग करें।<br>3. केंचुओं को तेज धूप और ठंड एवं अधिक नमी से बचाएँ।<br>4. रबी सीजन में वर्मी कम्पोस्ट लगभग 50 एवं 60 दिनों में तैयार हो जाता है। |

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

## vi. AMFU भरतपुर

**ज़िला:भरतपुर/ अलवर/ सवाईमाधोपुर**

**सामान्य सलाहकार:**

मौसम की जानकारी पाने के लिए मेघदूत मोबाइल ऐप और आकाशीय बिजली से बचने के लिए दामिनी मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करें।सरसो की फसल पक गयी है तो फसल की कटाई और कटाई के बाद गहाई करके इसे सुरक्षित स्थान पर रखें। जायद भिंडी एवं अन्य सब्जियों की बुआई करें।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सरसों | यदि सरसों शारीरिक रूप से परिपक्व हो गई है, तो कटाई और थ्रेसिंग के बाद इसे सुरक्षित स्थान पर रखें। |
| चना | फली छेदक के नियंत्रण के लिए इंडोक्साकार्ब 14.5 SC @ 0.5 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | बाहरी परजीवियों के लिए, साइपरमेथ्रिन को 2 मिली/ लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए।<br>पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए निकटतम पशुचिकित्सक से टीका लगवाएं। |

**मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):**

आंधी-तूफान और बिजली, तेज हवा आदि की संभावना है ।

**प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):**

सरसों की कटी फसल को ढककर और सुरक्षित जगह पर रखें।

ज़िला:धौलपुर

AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई |

ज़िला:करौली

AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई |

## vii. AMFU उदयपुर

ज़िला:उदयपुर / भीलवाड़ा / चित्तौड़गढ़/ राजसमंद/ प्रतापगढ़

| | |
|---|---|
| सामान्य | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसान टमाटर, मिर्च, कद्दूवर्गीय सब्जियों के तैयार पौधों की रोपाई इस सप्ताह कर सकते हैं।इस सप्ताह तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह है कि फसलों तथा सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। |
| गेंहूँ | जहाँ गेहूं की फसल परिपक्व अवस्था में हो वहाँ गेहूं की कटाई करें। |
| जौ | जौ की खडी फसल में दीमक नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हेक्टयर सिंचाई के साथ देवें। |
| चना | वर्तमान में समय पर बोई गई चने की फसल परिपक्वता अवस्था में है। इसलिए किसानों को चने की कटाई शुरू करने की सलाह दी जाती है। |
| सरसों | सरसों की कटाई कर फसल को कुछ दिन धुप में सुखाने के बाद गहाई करें। |
| ग्रीष्मकालीन उडद | ग्रीष्मकालीन उडद की बुवाई 15 मार्च तक पूर्ण करें। उन्नत किस्में– टी–9, पी.यू.–31, पंत यू–19, नरेन्द्र उडद–1, नरेन्द्र उडद–2। बीज की मात्रा 30 से 35 कि.ग्रा. प्रति हेक्टयर रखें। |
| कुष्माण्ड कुल | वर्तमान मौसम कुष्माण्ड कुल की फसलों बुवाई के लिए उपयुक्त है। अतः किसान ककड़ी, करेला और लौकी आदि की बुवाई शुरू कर सकते। |
| मूँग | मूंग की फसल की मार्च में बुवाई हेतु किसान उन्नत बीजों की बुवाई प्रारम्भ करें। मूंगद्ग पूसा विशाल, पूसा 9531, पी.डी एम–11, एस एम एल–668य बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राईजोबीयम तथा फास्फोरस सोलूबलाईजिंग बेक्टीरिया से अवश्य उपचारित करें। |
| काला सोना | अफीम में चीरा लगाने का कार्य शुरू करें। चीरा लगाने के लिए तीन नोक वाला नश्तर काम मे लें। |

ज़िला: सिरोही

AMFU से एडवाइजरी प्राप्त नहीं हुई |

## viii. AMFU बाँसवाड़ा

ज़िला:बाँसवाड़ा / डूंगरपुर

**सामान्य सलाहकार:**

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं की फसल को 110 दिन बाद, जब उसमें आटा बनने लगे, तब सिंचाई करें और रबी मक्का की फसल को आवश्यकतानुसार सींचें। सरसों, चना और पराली की फसलें परिपक्व अवस्था में हैं, इसलिए किसानों को कटाई शुरू करने और उपज को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करने की सलाह दी जाती है।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं की फसल की सिंचाई प्रारंभिक अवस्था में करें, यानी बुवाई के 110 दिन बाद, क्योंकि यह सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण अवस्था है। इसलिए फसल में सिंचाई अवश्य करें। पिछले कुछ वर्षों से, इस क्षेत्र में गेहूं की फसलों में काला धब्बा या ग्लूम ब्लॉच रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। यह रोग फसल की उपज और गुणवत्ता को कम कर देता है। इसलिए, किसानों को गेहूं की फसल में काला धब्बा रोग की रोकथाम के लिए प्रोपिकोनाजोल 25 ईसी @ 1 मिली/लीटर का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। खड़ी फसल में दीमक नियंत्रण के लिए, सिंचाई के पानी के साथ क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी @ 4 लीटर प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। |
| मक्का | मक्का की खेती करने वाले किसानों को फॉल आर्मी वर्म को नियंत्रित करने के लिए इमेमेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @ 200 ग्राम / क्लोरपाइरिफोस 20 ईसी @ 1.0 लीटर प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। |
| चना | चने के खेतों में, समय पर बोया गया चना परिपक्वता की अवस्था में है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे चने की फसल को उचित परिपक्वता पर काटें और सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। |
| सरसों | सरसों की फसल के मामले में, किसानों को सलाह दी जाती है कि सरसों की फसल पकने के करीब हो सकती है या अभी भी पकने की अवस्था में हो सकती है, इसलिए किसानों को फसल की कटाई तब शुरू करने की सलाह दी जाती है जब फली पीली पड़ने लगे और पत्ते गिरने लगें ताकि फसल के बिखरने से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। |
| काला चना | उड़द की बुवाई 15 मार्च तक पूरी कर लें। उन्नत किस्में टी-9, पी.यू.-19, नरेंद्र उड़द-1 और नरेंद्र उड़द-2 हैं। बीज की दर 30-35 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर है। |
| मूँग | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रमाणित स्रोत से मूंग की अच्छी गुणवत्ता वाली बीज खरीदें और इस सप्ताह बुवाई शुरू कर दें। किस्में: - मूंग - पूसा विसाल, पूसा 9531, पीडीएम-11, एसएमएल-668। फसल के लिए विशिष्ट राइजोबियम कल्चर और फास्फोरस घुलनशील जीवाणु (पीएसबी) से बीज उपचार की भी सलाह दी जाती है। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आम | किसानों को सलाह दी जाती है कि आम के पेड़ पर फूल आने के समय आम हॉपर कीट हमला कर सकता है। यह कीट कोमल पत्तियों और फूलों का रस चूसता है। इस कीट को नियंत्रित करने के लिए 1.25 लीटर पानी में 1.0 मिलीलीटर मैलाथियन 50 ईसी मिलाकर छिड़काव करें। |
| भिण्डी | तापमान में वृद्धि को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अर्का अनामिका, प्रबानी क्रांति आदि जैसी उन्नत किस्मों की भिंडी/लेडीफिंगर की शीघ्र फसल की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। |
| पपीता | पपीते की फसल लीफ कर्टिल और मोज़ेक रोगों से प्रभावित हो सकती है। इन रोगों के शुरुआती लक्षण दिखने पर प्रभावित पौधों को जड़ से उखाड़कर जला दें और रोग के आगे प्रसार को रोकने के लिए डाइमेथोएट 30 ईसी का 1.0 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | Farmers are advised that foot & mouth disease may spread in cows and buffaloes these days. So, timely vaccinate the animals against FMD. If animal is affected then isolate the affected animal and wash its mouth with 0.1% potassium permanganate solution. |

### ix. AMFU कोटा

ज़िला:कोटा / बूंदी / झालावाड़ / बारां

**सामान्य सलाहकार:**

| |
|---|
| मौसम बिगड़ना शुरू होने से पहले पकी हुई सरसों, चना और जल्दी बोए गए गेहूं की तुरंत कटाई कर लें। बारिश और नमी से खराब होने से बचने के लिए 19 से 21 मार्च तक आगे की कटाई टाल दें। |

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| काला चना | दलहनी फसलों में, बीजों को 200 g/10 kg राइजोबियम कल्चर से उपचारित करके बोएं। |
| मूँग | मूंग उगाने के लिए ज़्यादा पैदावार वाली और पीले मोजेक से बचाने वाली किस्मों का इस्तेमाल करें, जैसे K. Sow M.-2195 (स्वाति), I.P.M.205-7 (विराट), I.P.M.410-3 (शिखा), कनिका, वर्षा, आज़ाद मूंग-1, I.P.M.312-20, I.P.M.409-4 (हीरा), वसुधा, सूर्या और आज़ाद मूंग-1. |
| गन्ना | सतह से गन्ने की कटाई करें |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | पक्का करें कि आलू को फ़ाइनल स्टोरेज से पहले कम से कम 24 घंटे के लिए सूखी, छायादार जगह पर रखा जाए। |
| प्याज | थ्रिप्स और पर्पल ब्लॉच पर नज़र रखें; स्पिनोसैड (0.3 ml/लीटर) का इस्तेमाल करें। यह सभी लाइफ स्टेज पर बहुत असरदार है और टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (नैटिवो @ 0.1%): यह बहुत असरदार सिस्टमिक कॉम्बिनेशन है। बारिश रुकने के बाद ही स्प्रे कर सकते हैं। |
| टमाटर | फल छेदक के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए पक्षियों के बसेरा और फेरोमोन ट्रैप (4-5 प्रति एकड़) लगाएं। |
| आम | आम में पाउडरी मिल्ड्यू को रोकने के लिए, डाइनोकैप (पौराधिन) को 1 ml प्रति लीटर पानी में घोलकर स्प्रे करें। |
| बैंगन | जैसिड के इन्फेक्शन से पत्तियां मुड़ सकती हैं और पीली पड़ सकती हैं; इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 ml/L पानी में स्प्रे करें, ताकि पत्तियों के नीचे का हिस्सा अच्छी तरह कवर हो जाए। |
| गोभी | कटाई के बाद के समय में, ब्लैक रॉट (ज़ैंथोमोनास) हो सकता है जिससे पत्तियों पर V आकार के पीले धब्बे पड़ सकते हैं; पहले लक्षण दिखने पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 g/L पानी में स्प्रे करें। |
| टमाटर | बेक्टीरियल विल्ट की वजह से पौधे अचानक मुरझा सकते हैं; प्रभावित पौधों के आस-पास की मिट्टी को स्ट्रेप्टोसाइक्लिन @ 0.1 g/L पानी + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @ 2.5 g/L पानी से गीला करें। |

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेड़ | भेड़ों में एंटरोटॉक्सीमिया का टीका लगवाएं। |
| भैंस | प्रजनन से जुड़ी सभी बीमारियों को ठीक करने के लिए, पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि वे हरे चारे, भूसे और रेगुलर पशु चारे के अलावा मिनरल सॉल्ट भी खिलाएं। |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | पहले से कटी हुई फसल को तुरंत सुरक्षित, ढके हुए गोदामों में ले जाएं। अगर अंदर स्टोरेज की जगह नहीं है, तो खेत में ढेर को ढकने के लिए तिरपाल या वॉटरप्रूफ प्लास्टिक शीट का इस्तेमाल करें। |
| बारिश के पानी का संग्रहण | खेत में पानी जमा होने से रोकने के लिए सभी नैचुरल ड्रेनेज चैनल साफ़ कर दें, क्योंकि इससे सेंसिटिव सब्जियों और देर से पकने वाली रबी फसलों में जड़ सड़ सकती है। |
| सामान्य सलाह | चना, मटर, मसूर, सरसों और अलसी की पकी हुई फसल की कटाई 21 मार्च के बाद शुरू करें। |

Annexure I

## मौसम केंद्र, जयपुर द्वारा जारी जिला स्तरीय मौसम चेतावनी

| पूर्वी राजस्थान / WEST RAJASTHAN | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| जिला / District | 13-03-2026 | 14-03-2026 | 15-03-2026 | 16-03-2026 | 17-03-2026 |
| अजमेर / Ajmer | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| अलवर / Alwar | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **बांसवाड़ा / Banswara** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **बारां / Baran** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **ब्यावर / Beawar** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **भरतपुर / Bharatpur** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **भीलवाड़ा / Bhilwara** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **बूंदी / Bundi** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **चित्तौड़गढ़ / Chittorgarh** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **दौसा / Dausa** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **डीग / Deeg** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **धौलपुर / Dholpur** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **डूंगरपुर / Dungarpur** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **जयपुर / Jaipur** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **झालावाड / Jhalawar** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **झुंझुनूं / Jhunjhunu** | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **करौली / Karauli** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **खैरथल-तिजारा / Khairthal - Tijara** | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **कोटा / Kota** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **कोटपुतली-बहरोड़ / Kothputali Behror** | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **प्रतापगढ़ / Pratapgarh** | कोई चेतावनी | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी | कोई चेतावनी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | नही | | | नही | नही |
| राजसमंद / Rajsamand | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| सलूम्बर / Salumbar | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| सवाई माधोपुर / Sawai Madhopur | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| सीकर / Sikar | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| सिरोही / Sirohi | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| टोंक / Tonk | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| उदयपुर / Udaipur | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |

## पश्चिमी राजस्थान / WEST RAJASTHAN

| जिला / District | 13-03-2026 | 14-03-2026 | 15-03-2026 | 16-03-2026 | 17-03-2026 |
|---|---|---|---|---|---|
| बालोतरा / Balotra | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| बाड़मेर / Barmer | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| बीकानेर / Bikaner | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| चूरू / Churu | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| डीडवाना-कुचामन / Didwana Kuchaman | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| हनुमानगढ़ / Hanumangarh | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| जैसलमेर / Jaisalmer | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| जालौर / Jalore | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| जोधपुर / Jodhpur | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| नागौर / Nagaur | कोई चेतावनी | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज | कोई चेतावनी | कोई चेतावनी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | नही | | हवाये (30-40 KMPH) | नही | नही |
| **पाली / Pali** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **फलौदी / Phalodi** | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |
| **श्री गंगानगर / Sri Ganganagar** | कोई चेतावनी नही | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | मेघगर्जन/वज्रपात/ झोकेदार तेज हवाये (30-40 KMPH) | कोई चेतावनी नही | कोई चेतावनी नही |

Annexure II

## चेतावनी मानचित्र / Warning map

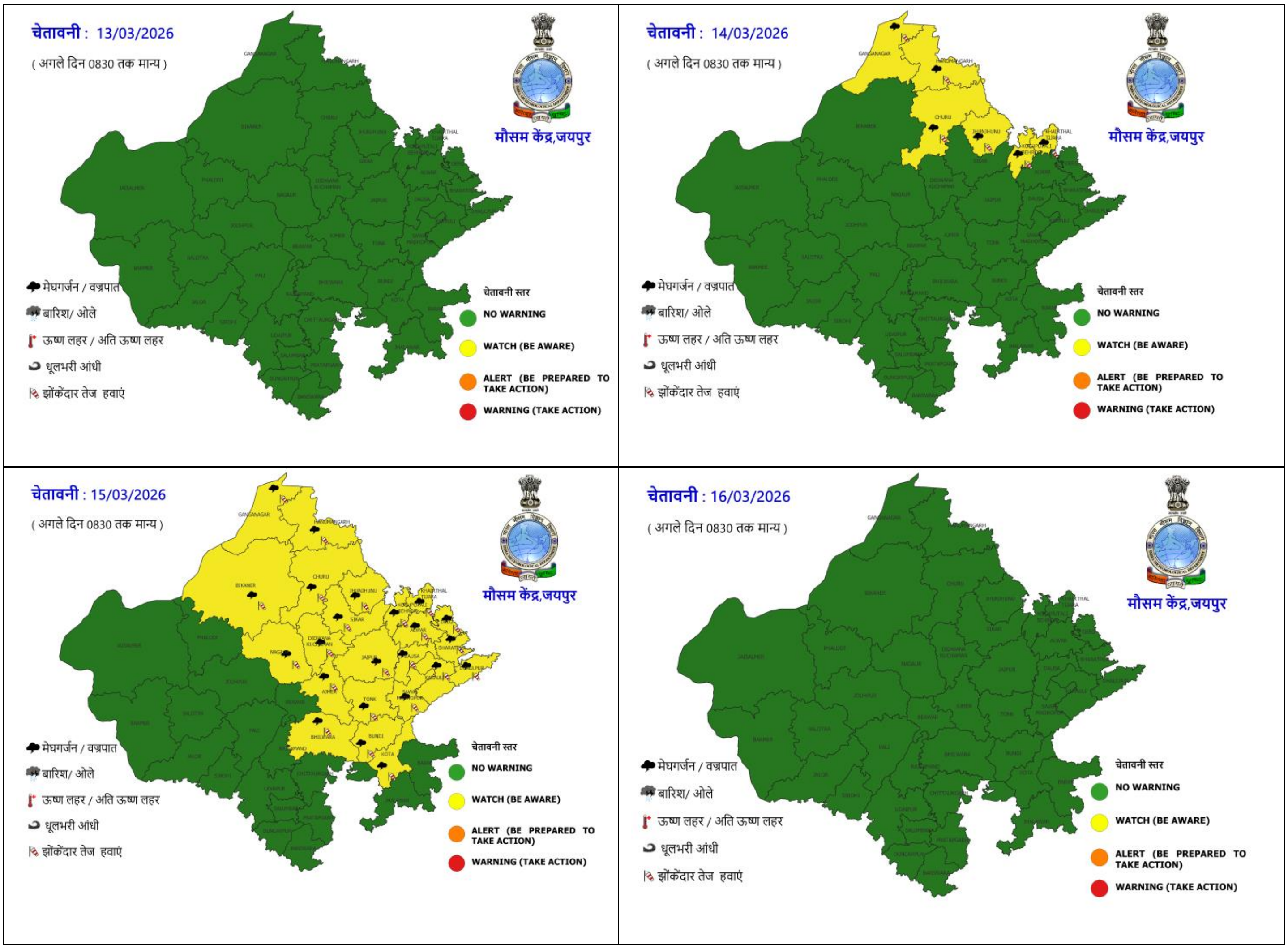

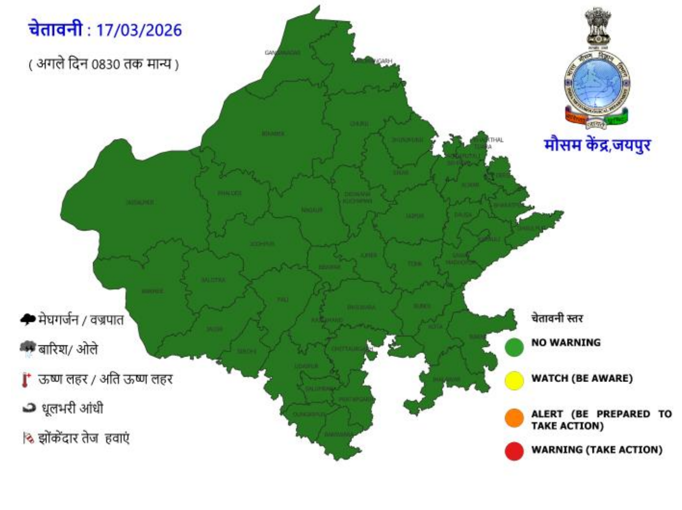


चेतावनी स्तर

- कोई चेतावनी नहीं
- हल्की चेतावनी
- मध्यम चेतावनी
- तीव्र चेतावनी

Annexure III

## अगले 5 दिनों के लिए मौसम उपखंड स्तर वर्षा मौसम पूर्वानुमान

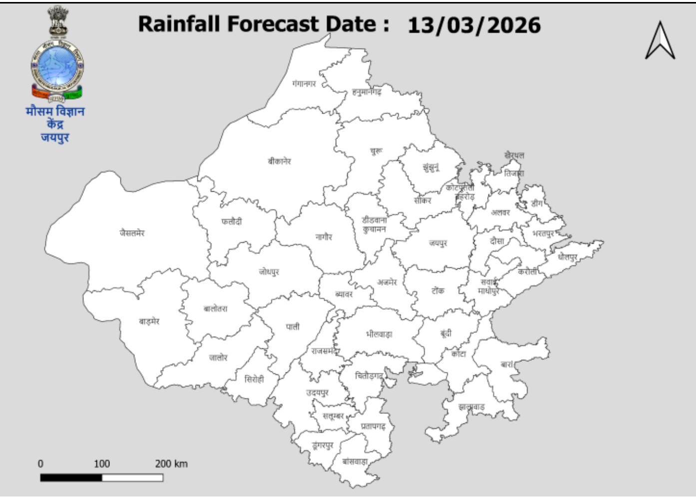


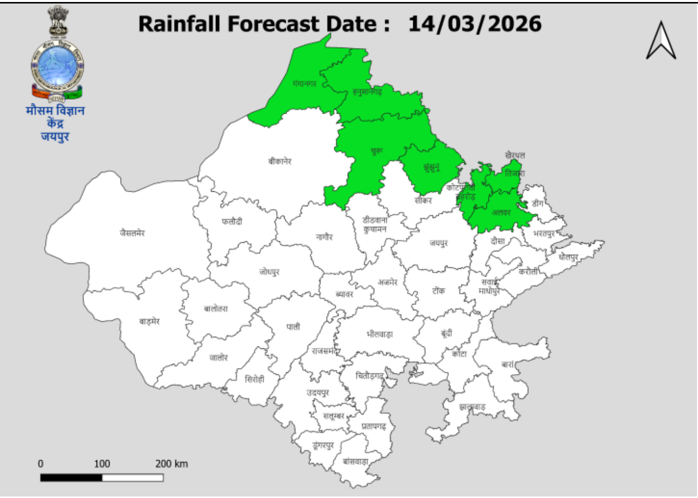


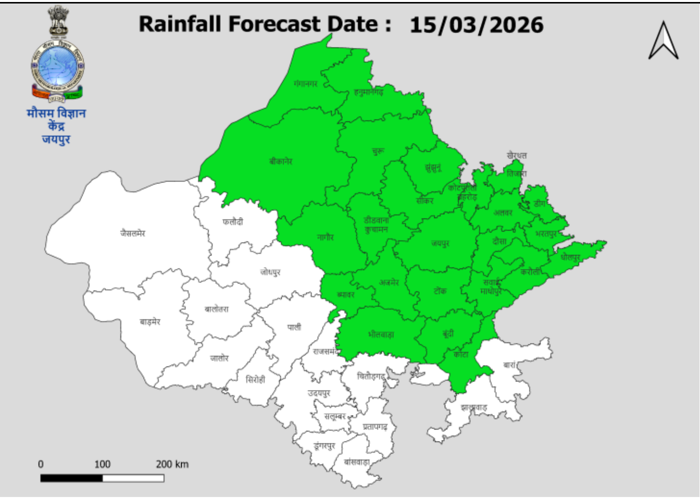


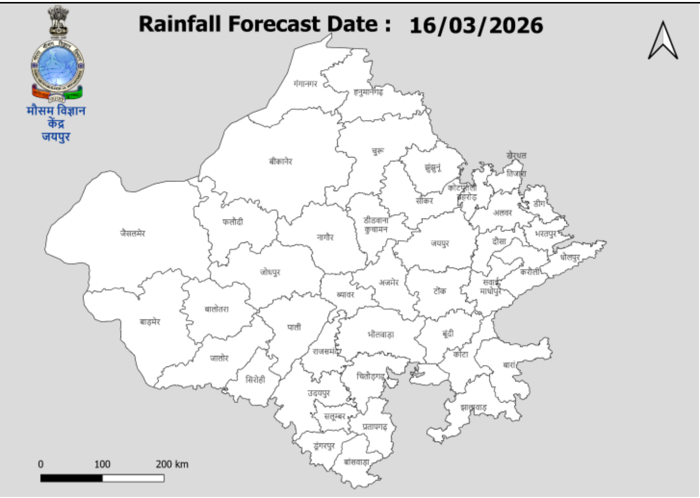

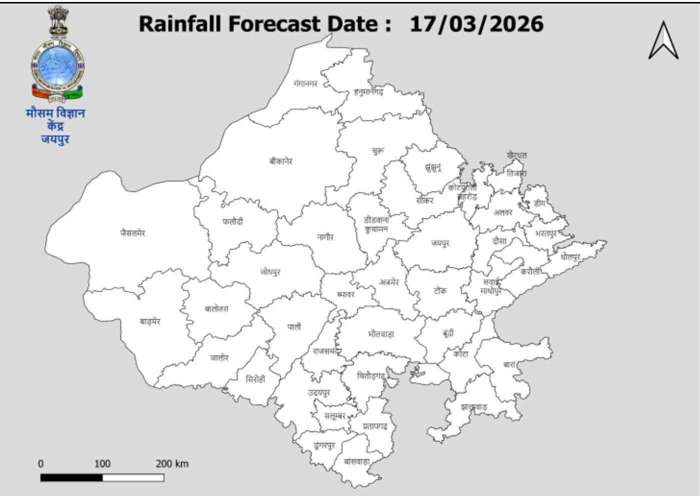


## Please Visit :-

1. **Mausam App – For Location Specific Forecast**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.imd.masuam**
    - **IOS Link:https://apps.apple.com/us/app/id1522893967**
2. **Meghdoot App – For Advisory Services**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot**
    - **IOS Link:https://apps.apple.com/us/app/meghdoot/id1474048155?ls=1**
3. **Damini App – For Lightening Warning**
    - **Playstore Link:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.lightening.live.damini**
        - **IOS Link:https://apps.apple.com/app/id1502385645**